हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 313 : जौनपुर, सोमवार 14 अगस्त 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

पीएम मोदी स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले से राष्ट्र को 10वीं बार करेंगे संबोधित

एजेन्सी

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां पूरी हो गई हैं और 15 अगस्त को देशभर में मनाए जाने वाले आजादी के इस उत्सव के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10वीं बार राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे तथा इस ऐतिहासिक स्मारक की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'आजादी का अमृत महोत्सव समारोह का समापन होगा। प्रधानमंत्री ने 12 मार्च, 2021 को गुजरात के अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से इसका शुभारंभ किया था। इसके साथ ही वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के पीएम मोदी के सपने को साकार करने के लिए देश नए उत्साह के साथ 'अमृत काल

के इस सफर आगे बढेगा। स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए कई नई पहल की गई हैं।पिछले साल की तुलना में इस साल बड़ी संख्या में अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। लाल किले पर आयोजित समारोह का हिस्सा बनने के लिए देशभर से विभिन्न व्यवसायों से जुड़े लगभग 1,800 लोगों को उनके जीवनसाथी के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह पहल सरकार के 'जनभागीदारी दृष्टिकोण के अनुरूप की गई है। इन विशिष्ट अतिथियों में 660 से अधिक जीवंत गांवों के 400 से अधिक सरपंच, किसान उत्पादक संगठन योजना से जुड़े 250 लोग, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के 50–50 प्रतिभागी, नए संसद भवन सहित सेंट्रल विस्टा परियोजना से जुड़े 50 श्रम योगी (निर्माण श्रमिक), 50–50 खादी कार्यकर्ता, सीमा पर स्थित सड़कों के निर्माण, अमृत सरोवर और हर घर जल योजना से जुड़े लोगों के साथ–साथ 50–50 प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक, नर्स और मछुआरे शामिल हैं। इनमें से कुछ विशिष्ट अतिथियों का दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा करने और रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट से मुलाकात करने का कार्यक्रम है। प्रत्येक राज्य और केन्द्र–शासित प्रदेश से 75 दंपत्तियों को भी उनकी पारंपरिक पोशाक में लाल किले में आयोजित समारोह को देखने के लिए आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, इंडिया गेट, विजय चौक, नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन, प्रगति मैदान, राजघाट, जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन, राजीव चौक मेट्रो स्टेशन, दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन, आईटीओ मेट्रो गेट, नौबत खाना और शीश गंज गुरुद्वारा सहित 12 स्थानों पर सरकार की विभिन्न योजनाओं और पहलों को समर्पित सेल्फी प्वाइंट स्थापित किए गए हैं। इन योजनाओं और पहलों में वैश्विक उम्मीद, टीके और योग, उज्ज्वला योजना, अंतरिक्ष शक्ति, डिजिटल इंडिया, कौशल भारत, स्टार्ट–अप इंडिया, स्वच्छ भारत, सशक्त भारत, नया भारत, पॉवरिंग इंडिया, प्रधानमंत्री आवास योजना और जल जीवन मिशन शामिल हैं।

अमित शाह ने गुजरात में हर घर तिरंगा अभियान का उद्घाटन किया

एजेन्सी

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के अहमदाबाद में हर घर तिरंगा अभियान का उद्घाटन किया। यह आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में राष्ट्रीय गौरव की मजबूत भावना पैदा करने के लिए अथक प्रयास किया है। शाह ने कहा कि पिछले साल के स्वतंत्रता दिवस पर कोई भी घर ऐसा नहीं था जहां तिरंगा न फहराया गया हो, यह एकजुट राष्ट्र को दर्शाता है। अमित शाह ने आगे कहा कि उन्होंने कहा, जब हर घर पर तिरंगा लहराएगा तो पूरा देश तिरंगामय हो जाएगा। आजादी मिलने के बाद देश के लिए मरना भले ही जरूरी न हो, लेकिन देश के लिए जीने का जुनून अटूट होना चाहिए। अमित शाह ने राष्ट्र के कल्याण के प्रति समर्पण की उत्कट भावना और इसके उज्ज्वल भविष्य में विश्वास व्यक्त किया। गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय उत्सव के अगले चरण का रोडमैप भी साझा किया। जैसे ही श्आजादी का अमृत महोत्सव 15 अगस्त, 2023 को समाप्त होगा, उन्होंने घोषणा की कि तब से 15 अगस्त 2047 तक की अवधि को श्आजादी का अमृत कालश के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह चरण आजादी के 75 से 100 वर्षों की यात्रा को चिह्नित करते हुए भारत को सभी क्षेत्रों में असाधारण बनाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जब शाह ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई, इस मौके पर उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भी मौजूद थे। रिपोर्ट के अनुसार, अमित शाह ने गुजरात सरकार द्वारा शुरू की गई कई प्रमुख विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया और आधारशिला रखी।

अवकाश सूचना

सुधी पाठाक जनो हाकर बन्धुओ, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समाचार पत्र कार्यालय दिनांक 15 अगस्त 2023 को बंद रहेगा । अतः अगला अंक 16 अगस्त 2023 को पुनः नियमित समय पर प्रकाशित होगा।

सम्पादक

योगी आदित्यनाथ बोले, विदेश में फंसे यूपी के लोगों को लाएंगे वापस

एजेन्सी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि विदेश में फंसे उत्तर प्रदेश के लोगों को वापस लाया जाएगा। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को दूतावासों से संपर्क करने के निर्देश दिए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में देवरिया व कुशीनगर की कुछ महिलाओं ने अपने परिजनों के थाईलैंड, ओमान आदि देशों में फंसे होने की जानकारी देकर उनकी वतन वापसी की गुहार लगाई। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने उन्हें मदद का आश्वासन दिया और अधिकारियों को निर्देश किया कि दूतावास से संपर्क कर जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सीएम ने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को देने के साथ ही तत्काल और संतुष्टि परक निपटारे का निर्देश दिया। साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान करेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सीबीआई के 15 अधिकारियों को नवाजा गया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के 15 अधिकारियों को वर्ष 2023 के वास्ते जांच में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित किया गया है।

बयान के अनुसार, इस प्रतिष्ठित पदक के लिए चुने गए अधिकारियों में पुलिस अधीक्षक (एसपी) विद्युत विकास, सहायक एसपी (एएसपी) तथागत वरदन, उपाधीक्षक (डीएसपी) मुकेश कुमार, आलोक कुमार शाही, रूबी चौधरी, दीपक कुमार पुरोहित, अखिल पांडेय, निरीक्षक हुकम वीर अत्री, दिनेश कुमार, जहीर अख्तर अंसारी, शीतल अरुण शेंडगे, कमलेश चंद्र तिवारी, राहुल राज, सुब्रमण्यम लक्ष्मी वेंकट गली और संतोष कुमार अरेकाथ शामिल हैं।

बयान में कहा गया है, ''गृह मंत्रालय (भारत सरकार) ने जांच में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों और राज्य,केंद्र शासित प्रदेश के पुलिस जांच एजेंसियों के सदस्यों को पदक देने के लिए इस योजना की शुरुआत की हैं।

बच्चों के सामने कार में पति ने की पत्नी की हत्या

एजेन्सी

सुलतानपुर लखनऊ–पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर जिले के कूरेभार थाना क्षेत्र के सेउर गांव के निकट रविवार सुबह एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कथित तौर पर गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। कूरेभार थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) प्रवीण यादव ने बताया कि महिला मोनिका गुप्ता (32) के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी पति राहुल मिश्रा को हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी राहुल मिश्रा उन्नाव जिले के थाना सफीपुर के गांव परियर मरोदा का रहने वाला है और उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर शंका थी, इसीलिए उसने इस घटना को अंजाम दिया।

ट्रॉली से गिरकर एक व्यक्ति की मौत

हरदोई। सोमवार को बिलग्राम क्षेत्र में ट्रॉली से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। वह गांव के ही एक व्यक्ति की मौत के बाद अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहा था। कंडे और लकड़ी से भरी ट्रॉली से नीचे गिरने से यह हादसा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार सोमवार को अपराह्न करीब 03 बजे बिलग्राम थाना क्षेत्र के सदरियापुर में गिरजा शंकर की मौत हो गई थी। जिसके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लोग जा रहे थे। इसी बीच गांव के ही मिहीलाल(52) लकड़ी और कंडे से भरी ट्रॉली पर बैठकर साथ जाने लगे। जैसे ही ट्रैक्टर ट्रॉली गांव से थोड़ी दूर ही पहुंची थी कि तभी ट्रॉली का पहिया गड्ढे में चला गया और अचानक झटका लगने से मिहीलाल नीचे गिर गए। जिनको आनन फानन में इलाज के लिए सीएचसी बिलग्राम में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने मिहीलाल को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिजनों समेत गांव में कोहराम मच गया। मृतक मिहीलाल के बेटे रामभजन के मुताबिक ट्रॉली से नीचे गिरने से उनकी मौत हुई है, लेकिन उनके शरीर में कोई बाहरी चोट नहीं दिखाई दे रही है।एएसपी पूर्वी नृपेंद्र कुमार ने बताया कि बिलग्राम थाना क्षेत्र के सदरियापुर में ट्रॉली से नीचे गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वह गांव में एक व्यक्ति की मौत पर अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहा था। इसी बीच अचानक गिरने से हादसा हो गया। जिसके शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जांच कर विधिक कार्रवाई की जायेगी।

भारत सरकार, गृह मंत्रालय,
भारत के शत्रु सम्पत्ति अभिरक्षक का कार्यालय
हॉल नंबर 2, 7वीं मंज़िल, केंद्रीय भवन, सेक्टर H, अलीगंज, लखनऊ - 226024

भारत के शत्रु सम्पत्ति अभिरक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली, लखनऊ में शाखा कार्यालय के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से निम्नलिखित रिक्त पदों पर संविदात्मक नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है:-

क्रमांक	पद का नाम	पदों की संख्या	वेतन का विवरण
1.	वरिष्ठ सलाहकार (स्तर-12/13)	01	* गैर-सरकारी व्यक्तियों के लिए - रु. 78,000/- और 1,18,500/- (निश्चित)
2.	वरिष्ठ कानूनी सलाहकार (स्तर-10)	01	* गैर-सरकारी व्यक्तियों के लिए - रु. 72,000/- (निश्चित)
3.	पर्यवेक्षक/सलाहकार (स्तर-07)	02	* गैर-सरकारी व्यक्तियों के लिए - रु. 48,000/- (निश्चित)
4.	विधिक परामर्शक (स्तर-08)	01	* गैर-सरकारी व्यक्तियों के लिए - रु. 42,000/- (निश्चित)
5.	सर्वेक्षक (स्तर-06)	11	* गैर-सरकारी व्यक्तियों के लिए - रु. 30,000/- (निश्चित)

* सेवानिवृत सरकारी कर्मचारियों के लिए - अंतिम आहरित वेतन घटाकर पेंशन

विवरण के लिए कृपया इन वेबसाइट पर जाएँ - https://www.mha.gov.in/en/notifications/vacancies या https://enemyproperty.mha.gov.in/vacancycircular. कृपया अनुदेशों को बहुत ध्यानपूर्वक पढ़ें। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि - 21 अगस्त 23। आवेदन cepi.del@mha.gov.in पर मेल भी किए जा सकते हैं।

सम्पादकीय

अंग्रेजों के जमाने के बदलेंगे कानून

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारतीय संविधान लागू होने के बावजूद अंग्रेजों के जमाने के दो सदी पुराने कानूनों से आपराधिक न्याय प्रणाली चल रही थी। विधि विशेषज्ञ और देश का बौधद्धिक वर्ग इन्हें औपनिवेशिक गुलामी का प्रतीक मान रहा था और इन कानूनों की खामियों को भी लगातार उजागर किया जाता रहा है। केन्द्र की मोदी सरकार ने अब अंग्रेजों के जमाने के कानून खत्म करने का फैसला लिया है। मानसून सत्र के अंतिम दिन गृहमंत्री अमित शाह ने 163 साल पुराने तीन मूलभूत कानूनों में बदलाव के घबिल लोकसभा में पेश किए। सबसे बड़ा बदलाव राजद्रोह कानून को लेकर होगा, जिसे नए कानून के स्वरूप में लाया जाएगा। 1860 में बने इंडियन पीनल कोड की जगह अब भारतीय न्याय संहिता 2023, 1898 में बने सीआरपीसी की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और 1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड की जगह अब भारतीय साक्ष्य संहिता बिल लाए जाएंगे। फिलहाल यह तीनों विधेयक अब संसदीय समिति के पास समीक्षा के लिए भेज दिए गए हैं। पुराने कानूनों को खत्म करने की दिशा में सबसे ज्यादा चर्चा राजद्रोह कानून की रही है। इस कानून का जितना दुरुपयोग किया गया है, उसके चलते इसे खत्म करने की मांग काफी अरसे से की जा रही थी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस कानून का ज्यादातर इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ ही किया गया है। 2010 से लेकर 2022 तक अब तक 13000 लोग इस कानून के तहत गिरफ्तार किये जा चुके हैं। जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा तो उसने राजद्रोह कानून के प्रावधानों पर पुनर्विचार होने तक इसके इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इस फैसले के बाद सरकार ने इस पर विचार किया। इस कानून का शिकार देश की जानी–मानी हस्तियां, पत्रकार, कार्टूनिस्ट, पर्यावरणविद और कुछ छात्र नेता भी हुए। अब राजद्रोह की जगह देशद्रोह शब्द का इस्तेमाल किया जाएगा। अब धारा 150 के तहत राष्ट्र के खिलाफ कोई भी कृत्य बोला हो या घलिखा हो या संकेत या तस्वीर या इलैक्ट्रोनिक माध्यम से किया हो तो सात साल से उम्रकैद तक की सजा सम्भव होगी। देश की एकता एवं संप्रभुत्ता कोघ्खतरा पहुंचाना अपराध होगा। अभी आईपीसी की धारा 124ए में राजद्रोह में तीन साल से उम्रकैद तक की सजा होती है। देखना यह होगा कि नए कानूनों के दुरुपयोग की आशंका को खत्म कैसे किया जाता है। निर्दोषों को अपील, दलील या वकील के बिना जेलों में बंद किया जाना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं होता। पूर्व में भी पोटा और यूएपीए जैसे कानूनों का दुरुपयोग होता रहा है। ये कानून भारत में अपराधों के अभियोजन प्रक्रिया की नींव हैं। कौन सा कृत्य अपराध है और उसके लिए क्या सजा होनी चाहिए ये भारतीय दंड संहिता के तहत तय होता है। दंड प्रक्रिया संहिता में गिरफ्तारी, अन्वेषण और मुकद्दमा चलाने की विधि लिखी हुई है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम बताता है कि केस के तथ्यों को कैसे साबित किया जाएगा, बयान कैसे दर्ज होंगे और सबूत पेश की जिम्मेदारी (बर्डन ऑफ प्रूफ) किस पर होगी। गृह मंत्री का कहना है कि ये कानून उपनिवेशवाद की विरासत हैं और इन्हें आज के हालात के अनुकूल बनाया जाएगा। अच्छी बात यह है कि कई अपराधों के घ्लिए सजाएं कड़ी की गई हैं। मसलन गैंग रेप के मामले में सजा को 10 वर्ष से बढ़ाकर 20 साल किया गया है। मॉब लिंचिंग और नाबालिग से रेप पर मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। नाम बदलकर यौन संबंध बनाने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पहली बार सामुदायिक सेवा को बतौर सजा के शामिल किया जा रहा है। छोटे–मोटे अपराधों के लिए 24 घंटे की सजा या 1000 रुपए जुर्माना या सामुदायिक सेवा करने की सजा हो सकती है। अमेरिका और ब्रिटेन में भी ऐसा कानून है। मुकद्दमों की सुनवाई के लिए समय सीमा भी तय की जा रही है। साक्ष्य कानून में अब इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्मेशन को शामिल किया गया है। साथ ही गवाह, पीड़ित और आरोपी अब इलेक्ट्रॉनिक तरीके सभी अदालत में पेश हो सकेंगे। परिवर्तनों के साथ चार्जशीट दाखिल करने से लेकर जिरह तक ऑनलाइन ही मुमकिन होगी। नए विधेयक में फारेंसिक के इस्तेमाल और मुकद्दमे की सुनवाई की टाइमलाइन भी तय कर दी गई है। मिसाल के तौर पर सेशन कोर्ट में किसी केस में जिरह पूरी होने के बाद, तीस दिन के भीतर जजमेंट देना होगा। इस डेडलाइन को 60 दिन तक बढ़ाया जा सकता है। इन विधेयकों पर संसदीय समिति विचार करेगी और समिति में शामिल विपक्ष इस पर अपनी राय रखेगा। हो सकता है कि विधेयक के प्रारूपों पर विरोध सामने आए। इसलिए जरूरी है कि सारा कामकाज पारदर्शी तरीके से हो। कुछ लोग प्रस्तावित कानूनों को पुरानी फाइल पर नया कवर बता रहे हैं। इस बात का ध्यान रखना होगा कि दोषियों को सजा मिले लेकिन निर्दोषों को सजा न मिले।

आज का राशिफल

मेष :– आज आप सांसारिक बातें भूलकर आध्यात्मिक प्रवृत्तियों में संलग्न रहेंगे। गहरी चिंतनशक्ति आपके मानसिक भार को हल्का करेगी। बोलने पर संयम रखने से अनर्थ से बच जाएंगे।

वृषभ :– आप जीवनसाथी की निकटता का सुख प्राप्त कर सकेंगे। परिवार के साथ सामाजिक समारोह में बाहर घूमने या पर्यटन पर जाएंगे और आनंद में समय व्यतीत होगा।

मिथुन :– अधूरे कार्यों की पूर्णता के लिए आज का दिन शुभ है। परिवार में आनंद और उल्लास रहेगा। स्वास्थ्य बना रहेगा। कार्यों में यश और कीर्ति मिलेगी। नौकरीपेशा वालों को लाभ होगा।

कर्क :– अच्छे मन से दिन व्यतीत करने की गणेशजी सलाह देते हैं, क्योंकि आज का दिन शारीरिक और मानसिक रूप से उद्वेगपूर्ण रहेगा। पेट दर्द परेशान करेगा। धन खर्च की संभावना है।

सिंह :– आज मानसिक अस्वस्थता रहेगी। परिजनों के साथ मनमुटाव की स्थिति आएगी। माताजी की तबीयत खराब हो सकती है। नकारात्मक विचारों से हताशा उत्पन्न होगी।

कन्यारू बिना विचारे साहस करने के प्रति गणेशजी चेतावनी देते हैं। भावनात्मक सम्बंध स्थापित होंगे। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों का डटकर सामना करेंगे।

तुला :– आज की मानसिक वृत्ति नकारात्मक रहेगी। क्रोध आवेश में वाणी पर संयम खोने से पारिवारिक सदस्यों के साथ विवाद होगा। अनावश्यक खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य खराब होगा।

वृश्चिक :– आज का दिन शुभ होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ खुशी से समय बीतेगा। धन लाभ का योग है।

धनु :– क्रोध के कारण पारिवारिक सदस्यों के साथ सम्बंध बिगड़ेंगे। आपकी वाणी और व्यवहार झगड़े का कारण बन सकते हैं। दुर्घटना से बचें। बीमारी के पीछे धन खर्च होगा।

मकर :– आज का दिन हर क्षेत्र में लाभदायक है। स्नेहीजनों और मित्रों से मिलना होगा। प्रिय व्यक्तियों के साथ मुलाकात रोमांचक रहेगी। व्यापार–धंधे में आय वृद्धि होगी।

कुंभ :– हर कार्य सरलतापूर्वक हल होंगे और उनमें सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थिति बनेगी। सरकारी कार्य निर्विघ्न पूरे होंगे। स्वास्थ्य बना रहेगा। धन प्राप्ति का योग है।

मीन :– आज के दिन की शुरुआत भय के साथ होगी। शरीर में सुस्ती और थकान रहेगी। कोई भी कार्य पूरा न होने पर हताशा होगी। भाग्य साथ न देता हुआ प्रतीत होगा। व्यर्थ में पैसे खर्च होंगे।

हिसार से उठी 'हिन्द की आवाज

भारत की महान सहिष्णु व सह अस्तित्व की संस्कृति को पिछले दिनों हरियाणा के मेवाती क्षेत्र नूंह में जिस प्रकार कुछ धर्म का चोला ओढेघ अपराधी प्रवृत्ति के फसादियों ने तार–तार कर हिन्दू–मुसलमानों को आपस में लड़ाने और उनके घर फूंकने से लेकर जान लेने तक की कोशिश की उसे इसी हरियाणा राज्य के लोगों ने 'हिसार' में एक विशाल 'महापंचायत' करके ठंडा करने का प्रयास किया और ऐलान किया कि 'मोनू मानेसर' जैसे कथित गौरक्षकों की हरियाणा में कोई जगह नहीं है और सरकार को उन्हें गिरफ्तार करने के लिए पुख्ता इन्तजाम करने चाहिए। दरअसल हरियाणा के लोगों ने पूरे हिन्दोस्तान के लोगों को रोशनी दिखाने का काम किया है और एक बार पुनः सिद्ध किया है कि 'सर छोटूराम' की इस धरती पर हिन्दू–मुसलमानों के बीच मजहब की आड़ लेकर जो लोग दंगे–फसाद कराने की फिराक में हैं उनके इरादे कभी पूरे नहीं होंगे। हरियाणा के प्रमुख शहर हिसार में पिछले दिनों जाट बिरादरी की खाप पंचायतों व किसान संघों ने एक महापंचायत का आयोजन किया जिसमें मुसलमानों व सिखों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस महापंचायत में सर्वसम्मति से फैसला किया गया कि राज्य के मुसलमानों की रक्षा दूसरी हिन्दू बिरादरी के लोग व सिख करें और उनके खिलाफ किये जा रहे दुष्प्रचार से प्रभावित न हों। महापंचायत ने फैसला किया कि मुस्लिम बन्धुओं को पहले की तरह राज्य के हर गांव में कारोबार या काम करने से जो लोग भी रोकने की लेशमात्र कोशिश करते हैं उनका पुरजोर विरोध किया जाना चाहिए और ऐसा दुष्प्रचार करने वाले लोगों की पहचान करके उसकी सूचना पुलिस–प्रशासन को दी जानी चाहिए। महापंचायत में कहा गया कि हरियाणा में हिन्दू–मुस्लिम भाईचारा बहुत मजबूत रहा है खास कर मेवाती मुसलमानों और जाटों में एकता के तार इस तरह बहुत मजबूत रहे हैं कि दोनों बिरादरियों में प्यार–मौहब्बत परिवारों से लेकर समाज तक रही है। सर छोटू राम ने ही सबसे पहले यह कहा था कि 'जाट का हिन्दू क्या और मेव का मुसलमान क्या"। मगर कुछ शक्तियां अपनी राजनैतिक दुकानें चलाने के लिए दोनों बिरादरियों में रंजिश पैदा कराना चाहती हैं जिससे सावधान रहने की जरूरत है। कुछ लोग जाटों को मेवों के विरुद्ध करने के लिए तरह–तरह के स्वांग रच रहे हैं और गौरक्षकों का लबादा ओढ़कर साम्प्रदायिक तनाव पैदा कराना चाहते हैं। मगर जाट बिरादरी उनकी चालों में आने वाली नहीं है और उसकी समझ में आ चुका है कि अपराधी किस्म के कथित गौरक्षक लोग कौन हैं और उनका उद्देश्य क्या है। जाट बिरादरी उनके घृणित उद्देश्यों को कभी पूरा नहीं होने देगी क्योंकि उतने ही राष्ट्रभक्त व देशप्रेमी हैं जितने कि अन्य भारतीय। किसी भी मुसलमान काम–धंधा करने वाले दुकानदार या फेरी वाले को किसी भी गांव में जाने की स्वतन्त्रता पहले के समान ही यथावत रहेगी और उन पर यदि कोई व्यक्ति जुल्म करने की कोशिश करेगा तो उसका विरोध सिखों समेत सभी धर्मों के लोग करेंगे। महापंचायत ने यह भी ऐलान किया कि मेव या मुसलमानों के विरुद्ध दुष्प्रचार करने वाले लोग कभी भी देशप्रेमी या देश भक्त नहीं कहलाये जा सकते क्योंकि वे भारत के नागरिकों का ही विरोध कर रहे हैं। मेव मुसलमान स्वयं को 'मेव' कहलाने में गर्व का अनुभव करते हैं क्योंकि उनकी जड़ें राजस्थान की मेवाड़ रियासत के महाराणा प्रताप से जुड़ी हुई हैं। गौरक्षक का चोला ओढ़ कर जो लोग उन्हें बदनाम करने और उनके प्रति द्वेष का वातावरण तैयार करना चाहते हैं वे भारत देश की एकता को ही चुनौती दे रहे हैं। यहां यह बताना जरूरी है कि जाटों के बहुत बड़े लोकप्रिय नेता हुए सर छोटू राम आजादी से पहले संयुक्त पंजाब की जनप्रिय यूनियनिस्ट पार्टी के लीडर थे। यह पार्टी आजादी से पहले 1936 से लेकर 1946 तक पंजाब की सत्तारूढ़ पार्टी थी। इस पार्टी में हिन्दू–मुसलमान व सिख सभी होते थे और पंजाब के 1936 के चुनावों के बाद पहले प्रधान (मुख्य) मन्त्री सिकन्दर हयात खां बने थे जिनकी मृत्यु के बाद खिज्र हयात खां मुखिया हुए थे। इन दोनों की सरकारों में ही सर छोटू राम विकास मन्त्री से लेकर अन्य विभागों के प्रभारी बने थे। उस समय पंजाब में पूरा हरियाणा राज्य लाहौर रावलपिंडी से लेकर फरीदाबाद और बहादुरगढ़ तक आता था। पंजाब की सीमाएं दिल्ली से बाहर लगती थीं। सर छोटू राम ने तब पंजाब के कृषि, शिक्षा व अन्य विकास कार्यों में उल्लेखनीय कार्य किया था। वह हिन्दू–मुस्लिम एकता के भी प्रबल समर्थक थे। जाट बिरादरी सर छोटू राम को अपने किसी मसीहा से कम नहीं मानती। मगर वर्तमान सन्दर्भों में हमें हरियाणा व मेवात की स्थित देखनी होगी और धर्म के नाम पर समाज में साम्प्रदायिक दंगे कराने की साजिश रचने वालों के बारे में सोचना होगा।

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को ही कहा कि नफरती बयान हेट स्पीच किसी भी रूप में स्वीकार नहीं की जा सकती और समाज के सभी लोगों का कर्त्तव्य है कि वे इसका विरोध करें। न्यायालय ने केन्द्र व राज्य सरकारों को भी निर्देश दिये दिये हैं कि सामाजिक एकता व भाईचारा कामयम रखने के लिए वे उच्च स्तर पर ऐसी समितियों का गठन करें जिनमें हेट स्पीच की शिकायत दर्ज की जा सके। विभिन्न समुदायों के बीच एकता बनाये रखने के लिए ऐसा करना जरूरी है। सभी समुदायों के लोगों को भी आपस में मिलजुल कर हेट स्पीच के विरुद्ध कारगर कदम उठाने चाहिए। नूंह में घटनाएं होने के बाद हिसार में भी कुछ धार्मिक उग्रादियों ने सरेआम जुलूस निकाल कर चेतावनी भरे लहजे में मुसलमान नागरिकों को ध ामकाने का काम किया था। अतः खाप पंचायतों ने हिसार का चुनाव ही अपनी हिन्दू–मुस्लिम–सिख महापंचायत के लिए करके पूरे देश को शान्ति और प्रेम का संदेश देने का रास्ता दिखाया है। हरियाणा के लोग तो वे हैं, ''बख्शी हैं हमको इश्क ने वो 'जुर्रतें' मजाजडरते नहीं 'सियासत–ए–अहले' जहां से हम।''

नया आकाश नई संभावनाओं का प्रभामंडल लेकर आया स्वतंत्रता दिवस

संजीव ठाकुर

स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अध‍िकार है,और इसे हम लेकर रहेंगे, यह घोषणा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर नायक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने की थीस सचमुच स्वतंत्रता के बिना जीवन व्यर्थ हैस पराधीन मनुष्य ना तो सुखी जीवन जी पाता है और ना ही अपनी इच्छाओं के अनुकूल जीवन व्यतीत कर पाता है। इसीलिए कहा गया है ष्पराधीन सपनेहु सुख नाही प्रत्येक व्यक्ति के लिए स्वतंत्रता विशेष महत्व रखती है, और कई वर्ष पराधीन रहने के बाद स्वतंत्रता हासिल हुई हो तो ऐसी स्वतंत्रता का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।. हमारा देश भारत सदियों से परतंत्रता के बाद 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ था, पर इस पर ओलंपिक और कामनवेल्थ खेलों में में कमाल करने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लास और आनंद में तब्दील कर दिया है. यह अमृत महोत्सव हमें हमेशा याद दिलाता रहेगा की भारत को विश्व गुरु होना है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नए भारत को जन्म दिया जाना है, हमारी युवा शक्ति, युवा पीढ़ी इस देश को अजर अमर बनाने में सदैव प्रयत्नशील रही है स भारत का हजारों वर्ष पुराना इतिहास है, इस लंबे इतिहास में कई विदेशी आक्रमणों का सामना करना पड़ा हैस अधिकतर विदेशी आक्रमणकारी यहां रहने के दौरान भारतीय सभ्यता संस्कृति में इस तरह घुल मिल गए मानो वह भारत के मूलनिवासी है. विदेशी आक्रमणकारियों के आगमन एवं यहां की सभ्यता संस्कृत में घुल मिल जाने का सिलसिला मध‍यकालीन मुगलों के शासन तक चलता रहा. 18 वीं शताब्दी में जब अंग्रेजों ने भारत के कुछ हिस्सों पर अधिकार जमाया तो पहली बार भारत की जनता को गुलामी का एहसास हुआ।. आक्रमणकारी अंग्रेजों ने भारत देश को गुलाम बनाकर अपने स्वयं के देश को धन धान्य से पूर्ण करने के लिए भारत की धरती का संपूर्ण दोहन कर धन को इंग्लैंड भेजते रहे,बाद में तो अंग्रेजों ने मुगल शासकों को परास्त कर पूरे भारत पर आधिपत्य ही कर लिया थास पर आजादी और स्वतंत्रता के दीवानों ने अंग्रेजो के खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंक दिया था. संघर्ष में भारत माता के असंख्य वीर पुत्र शहीद हुए,कई युवा अंग्रेजों के जुल्म का शिकार हुए, मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व निछावर करने वाले बहुत से वीरों को जेल की सलाखों के पीछे जीवन व्यतीत भी करना पड़ा. कई वीर सपूतों को काला पानी की सजा भी झेलनी पड़ी. आजादी का यह संघर्ष वर्ष 1947 तक चलास आजादी के संघर्ष में अनगिनत दीवानों ने जैसे मंगल पांडे, लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, कुंवर सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, खुदीराम बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री,डॉ राजेंद्र प्रसाद, सरदार वल्लभभाई पटेल, लोकमान्य तिलक, जयप्रकाश नारायण, अबुल कलाम आजाद, इत्यादि का विशेष योगदान था। सदियों से गुलामी के बाद

1947 में जब भारत आजाद हुआस तब भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लाल किले पर स्वतंत्रता का तिरंगा फहराया. और पूरे भारत देश के नागरिकों ने आजादी की सांस लीस आज भी हम शहीदों को उनकी कुर्बानी के लिए याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं. इस अमृत महोत्सव में राम प्रसाद बिस्मिल की कहिए पंक्तियां सदैव याद आती हैं शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशा होगास

जिस तरह खून और पसीना बहा कर हमारे खिलाड़ियों ने जापान ओलंपिक 2020 में 7 पदक और कॉमनवेल्थ गेम ओं मैप 22 स्वर्ण पदक लाया हैं, उसी तरह उससे कहीं ज्यादा अथक प्रयास कर भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अपने खून तथा पसीने से आजादी पाई थी। आज हम उनको याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। साथ ही स्वतंत्रता का सही मूल्यांकन भी हम सभी को करना होगा और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व त्यागना होगा।. तब जाकर स्वतंत्रता का 76 वां अमृत महोत्सव का सच्चा मायने होगा. हमें हर हाल में सांप्रदायिक ताकतों एवं देश की विघटनकारी शक्तियों का विरोध कर अपनी राष्ट्रीय एकता को बचा कर रखना होगा. हम अपनी सतर्क दृष्टि से देश में विध्वंसकारी ताकतों एवं तत्वों को पनपने से रोक सकते हैं, जिस देश को खतरा हो, देश के बुद्धिजीवियों तथा प्रबुद्ध नागरिकों का कर्तव्य है कि वह देश की जनता को इस संदर्भ में जागरूक कर समस्त राष्ट्र की एकता कायम रखने का प्रयास करेंस राष्ट्रीय एकता ही सशक्त एवं समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला होती है।. इसी लिए देश की रक्षा करना एवं अखंडता बनाए रखना हमारा प्रथम नैतिक तथा राष्ट्रीय कर्तव्य है।. इसकी एकता तथा अखंडता बनाए रखने के लिए हमें अपना सर्वस्व त्यागने के लिए तैयार रहना होगा। तभी स्वतंत्रता की रक्षा हो पाएगी,और सही मायनों में 76 वां स्वतंत्रता अमृत महोत्सव मनाया जा सकेगासजय हिंद जय भारत।जय हो स्वतंत्रता दिवस।

महंगाई, बेरोजगारी, पेंशन और जातीय मतगणना मुद्दा

प्रेम शर्मा

देश में जिस गति से महंगाई बढ़ी है क्या उस गति से लोगों की आय में इजाफा हुआ है। जिस गति से बेरोजगारी बढ़ती जा रही है उस गति से रोजगारों का सृजन हो पाया है। जिस तरह से पुरानी पेंशन के मुद्दे को लेकर राज्य और केन्द्र के कर्मचारी लगातार आन्दोलन कर रहे है उस पर सरकार कोई कदम उठा रही है। अब जब जातीय जनगणना का मुद्दा लेकर विपक्षी दल सड़क और सदन पर आ रहा तो सरकार ने इससे निपटने के कोई ठोस प्रयास किये है। ऐसे कई और जनता से जुड़े मुद्दे है जिन पर सरकार शायद गहन मंथन नही कर पा रही है। वैसे तो सरकार ने विपक्ष को धराशायी करने में कोई कसर नही छोड़ी लेकिन महंगाई, बेरोजगारी, पेंशन जैसे मुद्दे और अब जातीय मतगणना का मामला आगामी लोकसभा चुनाव में गहरा जाएगा। हालांकि बीच बीच में विपक्षी दलों की रंग बदलने की आदत का फायदा सरकार को उठाना ही है इसका खमियाजा आमजनता को भुगतना पड़ेगा। इसके बावजूद विपक्षी दल आगामी लोकसभा चुनाव में इन चार मुद्दों को लेकर सामने आएगें। केन्द्र और राज्य का कर्मचारी पुरानी पेंशन को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार के रूख से नाराज है।

बहरहाल हम सबसे पहले देख ले कि कोराना काल के बाद महंगाई का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। कोराना काल में लिया गया कर्ज अब तक आम आदमी चुका नही पाया। सांख्यिकी और कार्यक्रम मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति, जिसे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापा जाता है, जून 2023 में तीन महीने के उच्चतम स्तर 4.81: पर पहुंच गई, जो इस साल मई में 4.25: थी। कार्यान्वयन। सीपीआई अप्रैल 2022 में उच्चतम 7.79: और जनवरी 2021 में सबसे कम 4.06: पर पहुंच गई। दूसरी ओर, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर मुद्रास्फीति डेटा, जो खुदरा कीमतों पर बेचने से पहले वस्तुओं की कुल कीमतों की गणना करता है, जून 2023 में 4.12: है, जो इस साल मई में 3.48: था।रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन श्रेणियों में बार–बार मूल्य परिवर्तन होता है, उनमें घरेलू उत्पाद, फूड और लिनेन (कपड़े) शामिल हैं। इसके अलावा इनमें मोटर वाहन से संबंधित उत्पाद, मोबाइल फोन और बिजली शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 18 जुलाई से माल और सेवा कर (जीएसटी) परिषद द्वारा दरों में वृद्धि को मंजूरी देने के कारण खुदरा महंगाई बढ़ सकती है। कुछ पर टैक्स छूट वापस लेने के साथ कई वस्तुओं पर जीएसटी दरों में वृद्धि का अतिरिक्त प्रभाव खुदरा महंगाई पर पड़ सकता है। इधर बेरोजगारी का हाल बेहाल है। केंद्रीय ऑफ मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की बेरोजगारी दर मार्च 2023 में 7.8: हो गई है। यह फरवरी में दर्ज की गई 7.2: बेरोजगारी दर से बढ़त है और कोविड–19 महामारी के बाद अपनी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए देश के प्रयासों के लिए एक विफलता का प्रतीक है।भारत के श्रम बाजार को सामान्य रूप से उत्पादन और सेवा क्षेत्रों में विशेष रूप से औपचारिक नौकरियों की कमी से जूझना पड़ रहा है। कई श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार करते हैं, जिसमें कम वेतन, खराब काम के शर्तें और थोड़ी सी नौकरी सुरक्षा होती है। इससे श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और लाभ तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है और इससे आर्थिक असुरक्षा और गरीबी का भी योगदान हो सकता है।भारत के श्रम बाजार को सामान्य रूप से उत्पादन और सेवा क्षेत्रों में विशेष रूप से औपचारिक नौकरियों की कमी से जूझना पड़ रहा है। कई श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार करते हैं, जिसमें कम वेतन, खराब काम के शर्तें और थोड़ी सी नौकरी सुरक्षा होती है। इससे श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और लाभ तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है और इससे आर्थिक असुरक्षा और गरीबी का भी योगदान हो सकता है। पुरानी पेंशन को लेकर केन्द्र एवं राज्य कर्मचारी गदर काटे है। उनके आन्दोलन और प्रदर्शन से जनता के साथ देश का विकास भी प्रभावित हो रहा है लेकिन केन्द्र सरकार और भाजपा शासित राज्य सरकार ने पुरानी पेंशन के मामले में अपना मत स्प्ष्ट कर दिया है। ऐसे में आने वाले समय में केन्द्र और राज्य कार्मिकों के सैकड़ों संगठन लोकसभा चुनाव तक इसी तरह आन्दोलन रत दिखाई पड़ेगे।। ज्ञात हो कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने 2003 में पुरानी पेंशन योजना को खत्म कर दिया था और सत्ता से बाहर होने से ठीक एक महीने पहले 1 अप्रैल 2004 को मौजूदा राष्ट्रीय पेंशन योजना शुरू की थी। तब से अब तक कई पर सरकार कह चुकी है कि पुरानी पेंशन लागू करने का कोई विचार नही है। आजकल ओल्ड पेंशन स्कीम और नेशनल पेंशन सिस्टम की पुरजोर चर्चा चल रही है। यूपी विधानसभा चुनाव में ओपीएस को मुद्दा बनाया गया था। समाजवादी पार्टी ने इस मुद्दे को मुखरता से उठाया और जनता को भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार आई तो पुरानी पेंशन व्यवस्था या व्ꣳ को लागू किया जाएगा। लेकिन समाजवादी पार्टी की सरकार नहीं आई. इसके बावजूद ओपीएस का मुद्दा गर्म है अलग–अलग क्षेत्रों के कर्मचारी इसे फिर से बहाल करने की मांग कर रहे हैं। वैसे तो देश के कई राज्यों ने ओपीएस को लागू कर दिया है जिनमें राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड,हिमाचल प्रदेश के नाम हैं। वैसे तो कई बार सवाल उठा कि क्या सरकार एनपीएस को खत्म कर ओपीएस को लागू करने वाली है ? यह सवाल संसद में उठा। इस पर सरकार ने स्पष्ट किया कि एनपीएस को बंद कर ओपीएस लागू करने का विचार नहीं है।

इसके अलावा देश की राजनीति में इस समय जातिगत जनगणना का मुद्दा छाया हुआ है। कांग्रेस, जदयू, राजद, एनसीपी, द्रमुक और आम आदमी पार्टी समेत कई विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार से जाति आध ारित जनगणना कराने की मांग की है। कोविड–19 महामारी के कारण नियमित जनगणना में देरी होने के कारण जातिगत जनगणना की नए सिरे से मांग की जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी कर्नाटक रैलियों में दो दिनों में दूसरी बार जातिगत जनगणना की मांग की है। जातिगत जनगणना के समर्थक इसे समय की जरूरत बताते हैं, जबकि केंद्र की इस मामले पर अलग राय है। बहरहाल इन सब मुद्दों पर केन्द्र और भाजपा शासित राज्यों का लगभग एक जैसा जबाब है। ऐसी स्थिति में आने वाले लोकसभा चुनाव में अगर केन्द्र सरकार को इन मुद्दों को लेकर जनता के विरोध का सामना करना पड़े तो कोई अतिश्योक्ति नही होगी।

रुदौली क्षेत्र में हुई हत्या का एसएसपी ने किया खुलासा

मृतक पर शक करना बना हत्या का मुख्य कारण

पुलिस मुठभेड़ में आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली रुदौली क्षेत्र में चौबीस घंटे पहले हुई हत्या का खुलासा एसएसपी राज करन नैय्यर ने सोमवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में किया।उन्होंने बताया कि इस हत्या का मुख्य उद्देश्य आरोपी युवक द्वारा मृतक युवक फोनू पर करता था।जिसके चलते आरोपी ने अपने चचेरे व ममेरे भाई की मदद से उक्त युवक की हत्या कर दी।आरोपी युवक को रुदौली पुलिस ने सोमवार को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया।उन्होंने बताया कि युवक फोनू की हत्या चौबीस घंटे पहले आरोपी युवक धारदार हथियार से कर दिया था और उसकी लाश को कोतवाली रुदौली के दल सराय नहर की पटरी पर फेंक दिया था।एसएसपी राज करन नैय्यर ने बताया कि पुलिस ने इस हत्या को गंभीरता से लेते हुए इसमें शामिल एक आरोपी को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया वही फरार चल रहे दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।एसएसपी राज करन नैय्यर ने बताया कि देवेन्द्र सिंह प्रभारी निरीक्षक रूदौली ने वरिष्ठ उप निरीक्षक वीरेंद्र कुमार राय,उप निरीक्षक इसहाक खां, धर्मेन्द्र सिंह, चौकी प्रभारी सूजागंज विनय कुमार यादव, चौकी प्रभारी भेलसर द्रिवेश त्रिवेदी की मदद से सोमवार को इस हत्या में शामिल आरोपी मुस्तकीम पुत्र शरीफ निवासी ग्राम बसौढ़ी थाना पटरंगा जनपद अयोध्या को पुलिस मुठभेड़ के दौरान घटना स्थल दलसराय नहर पटरी के पास से पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया।पुलिस के द्वारा पूछताछ में आरोपी मुस्तकीम ने बताया गया कि उसकी शादी ग्राम खेतासराय थाना टिकैतनगर जनपद बाराबंकी में हुई थी।वह अपनी पत्नी का मृतक फोनू से सम्बन्ध होने को लेकर शक करता था।इसलिये फोनू को रास्ते से हटाने के लिए योजना बद्ध तरीके से अपने चचेरे भाई इरशाद पुत्र रिजवान और ममेरे भाई सोफियान पुत्र इबरार निवासीगण बसौढ़ी थाना पटरंगा जनपद अयोध्या के साथ मिलकर मृतक फोनू को दलसराय नहर पुलिया पर शाम करीब 04.30 बजे बुलाया।जहां पर आरोपियों ने उसकी चाकू से मार कर हत्या कर दी तथा उसका मोबाईल फोन से सिम निकाल कर फेंक दिया तथा मोबाईल फोन एंव घटना में प्रयुक्त चाकू घटना स्थल से थोड़ी दूर पर झाड़ी में छिपा कर भाग गये थे।वही आरोपी मुस्तकीम के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू व मृतक का मोबाईल फोन बरामदगी के दौरान झाड़ी में छिपाकर रखे गये तमंचा निकाल कर पुलिस बल को निशाना बनाकर जान से मारने की नियत से तंमचे से फायर किया जिससे हेड कांस्टेबल जितेन्द्र यादव के बायें हाथ से गोली स्पर्श करती हुई निकल गयी और वह बाल बाल बच गये।वही पुलिस ने अपनी आत्म सुरक्षा में किये गये फायर से अभियुक्त मुस्तकीम बायें पैर में घुटने के नीचे गोली लगने के चलते आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गया।एसएसपी नैय्यर ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान आरोपी मुस्तकीम द्वारा घटना में प्रयुक्त किये गये तमंचा व कारतूस को बरामद किया।वही इस घटना में शामिल अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम गठित कर दबिश हेतु टीमें रवाना की गयी है।

अंग्रेजों ने साजिश के तहत देश को दो टुकड़ों में बांट दिया था: अशोक पाण्डेय

भारत का विभाजन देश के लिए किसी विभीषिका से कम नहीं हैं : अशोक पाण्डेय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी ने नगरपालिका टाउन हाल में पूर्व जिलाध्यक्ष हरिश्चंद सिंह के अध्यक्षता में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रदेश प्रवक्ता अशोक कुमार पाण्डेय जी रहे एवं विशिष्ट अतिथि विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंशु रहे। कार्यक्रम के उपरांत टाउन हॉल के मैदान से कलेक्ट्रेट स्थित शहीद स्तंभ तक एक विशाल पदयात्रा निकाली गई।

मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुये प्रदेश प्रवक्ता अशोक पाण्डेय ने कहा कि भारत का विभाजन देश के लिए किसी विभीषिका से कम नहीं थी यह अंग्रेजों की साजिश थी कि देश को दो टुकड़ों में बांट दिया जाए, इसके लिए कुछ भारतीय नेता भी जिम्मेदार थे। 14 अगस्त 1947 की तारीख भारत भला कैसे भूल सकता है एक तरफ 200 वर्षों की गुलामी के बाद आजादी मिलने वाली थी तो वहीं दूसरी ओर देश के दो टुकड़े हो रहे थे लाखों लोग इधर से उधर हो गए घर–बार छूटा, परिवार छूटा, लाखों की जानें गईं। विभाजन का दर्द भारत के लिए यह विभीषिका से कम नहीं थी। इसी दर्द को याद करते हुए पिछले साल आजादी की सालगिरह से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा ऐलान किया कि 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जायेगा ताकि आज के पीढ़ी को पता तो चले की देश का विभाजन कैसे हमारे लिए विभीषिका बनी। भारत की वर्तमान और भावी पीढ़ियों को विभाजन के दौरान लोगों द्वारा सही गई यातना और वेदना का स्मरण दिलाने के लिए ही 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जा रहा हैं।

विशिष्ट अतिथि बृजेश सिंह प्रिंशु ने कहा कि देश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों–भाइयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान गंवानी पड़ी। विभाजन के कारण हुई हिंसा और नफरत से लाखों लोग विस्थापित हो गए और कई ने जान गंवा दी। ब्रिटिश हुकूमत से आजादी के लिए भी लाखों भारतीयों ने कुर्बानियां दी थीं। 14 अगस्त 1947 की आधी रात भारत की आजादी के साथ देश का भी विभाजन हुआ और पाकिस्तान अस्तित्व में आया विभाजन से पहले पाकिस्तान का कहीं नामो–निशान नहीं था।

पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि विभाजन की घटना को याद किया जाए तो 14 अगस्त 1947 का दिन भारत के लिए इतिहास का एक गहरा जख्म है। वह जख्म तो आज तक ताजा है और भरा नहीं है यह वो तारीख है, जब देश का बंटवारा हुआ और पाकिस्तान एक अलग देश बना बंटवारे की शर्त पर ही भारत को अंग्रेजों से आजादी मिली। देश का बंटवारा हुआ लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से नहीं इस ऐतिहासिक तारीख ने कई खूनी मंजर देखे भारत का विभाजन खूनी घटनाक्रम का एक दस्तावेज बन गया जिसे हमेशा उलटना–पलटना पड़ता है। दोनों देशों के बीच बंटवारे की लकीर खिंचते ही रातों–रात अपने ही देश में लाखों लोग बेगाने और बेघर हो गए धर्म–मजहब के आधार पर न चाहते हुए भी लाखों लोग इस पार से उस पार जाने को मजबूर हुए।

पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर ने कहा कि बंटवारा के बाद इस अदला–बदली में दंगे भड़के, कत्लेआम हुए. जो लोग बच गए, उनमें लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद हो गई. भारत–पाक विभाजन की यह घटना सदी की सबसे बड़ी त्रासदी में बदल गई। यह केवल किसी देश की भौगोलिक सीमा का बंटवारा नहीं बल्कि लोगों के दिलों और भावनाओं का भी बंटवारा था बंटवारे का यह दर्द गाहे–बगाहे हरा होता रहता है।

पूर्व अध्यक्ष हरिश्चंद सिंह ने अध्यक्षीय भाषण देते हुये कहा कि आज जो कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता की ध्वजवाहक बनने का ढोंग करती है उसी कांग्रेस ने कई साम्प्रदायिक कानूनों को पारित करवाने में अंग्रेजों की सहायता की थी। अंग्रेजों ने सदैव फूट डालो और राज करो की नीति अपनाई थी जिसका अनुसरण कांग्रेस पार्टी में रहते हुए उनके मानसपुत्र आज भी कर रहे हैं। हमें विभाजन को एक सबक के रूप में लेना चाहिए ताकि भारत अतीत की गलतियों को न दोहराए और देश तुष्टीकरण का रास्ता न अपनाए, खासकर जब हमारे पड़ोस में अस्थिरता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई हो।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने की। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव जिला मंत्री राजू दादा प्रमोद यादव नगरपालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या सुषमा पटेल ब्लाक प्रमुख गण सुनील यादव विनय सिंह धीरू सिंह बृजेश यादव अमित श्रीवास्तव रामसूरत मौर्या सिद्दार्थ राय अजीत सिंह आदि उपास्थित रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट के विरोध में बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष ने भरी हुंकार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । बिगड़ती कानून व्यवस्था और अधिवक्ताओं पर अत्याचार को लेकर बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर दीवानी न्यायालय के अधिवक्ताओं ने सोमवार को विरोध दिवस मनाया। अधिवक्ता साहिल का उत्पीड़न व जेल भेजने को लेकर अधिवक्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन व नारेबाजी किया।

बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के पूर्व चेयरमैन व वाराणसी के अधिवक्ता हरिशंकर सिंह व पूर्व चेयरमैन अरुण त्रिपाठी भी आकर अधिवक्ताओं के आंदोलन में शामिल हुए। उन्होंने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि 15 अगस्त तक सिटी मजिस्ट्रेट का निलंबन या ट्रांसफर नहीं होता तो वाराणसी के अधिवक्ता यहां आकर आंदोलन करेंगे और सिटी मजिस्ट्रेट को भी बैठने नहीं देंगे। अधिवक्ताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री तक सिटी मजिस्ट्रेट का मामला पहुंच चुका है।जल्द ही शुभ समाचार मिलने की उम्मीद है।अधिवक्ताओं से सर्टिफिकेट आफ प्रैक्टिस के नाम पर 500 रुपये की मांग पर हरिशंकर सिंह ने बताया कि यह बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा किया गया हैघ्।इसे हम लोग काला कानून मानते हैं। यहां के अधिवक्ताओं ने कहा कि हम लोग इसका विरोध करेंगे। सुबह 10:30 से 4:00 बजे तक अधिवक्ता लगातार सड़क पर टेंट लगाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए वक्तव्य देते रहे।

रामनगरी में उमड़ा आस्था का सैलाब

भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठी राम नगरी।

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

सावन मास के पुरषोत्तम मास के छठे सोमवार पर राम नगरी में उमड़ा आस्था का सैलाब, भगवान राम के पुत्र कुश द्वारा स्थापित सिद्ध पीठ नागेश्वरनाथ पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु कर रहे हैं जलाभिषेक, राम नगरी के श्रद्धालुओं के साथ आसपास के जनपद के भी श्रद्धालु पहुंचे हैं राम नगरी, प्रशासन ने सुरक्षा के किए हैं व्यापक इंतजाम,घाट से नागेश्वर नाथ मंदिर तक बनाया है वैकल्पिक रास्ता, छोटे–छोटे टुकड़ी में श्रद्धालुओं को कराया जा रहा है भोले नाथ का जलाभिषेक, नागेश्वर नाथ मंदिर की क्षमता के अनुरूप श्रद्धालुओं को छोड़ा जा रहा है छोटे–छोटे समूहों में, सरयू के घाट से लेकर नागेश्वरनाथ तक सुरक्षा के व्यापक इंतजाम।

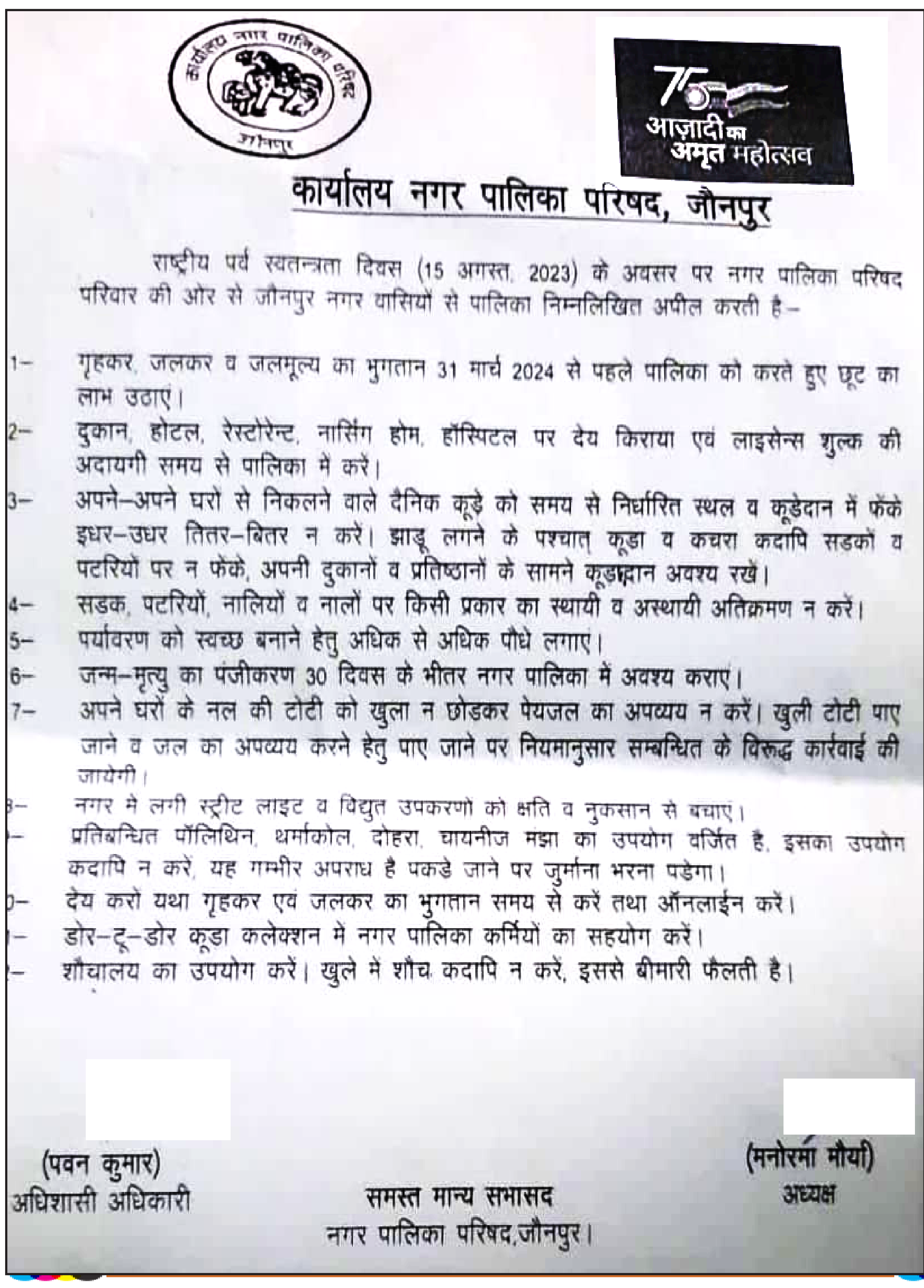

कार्यालय नगर पालिका परिषद, जौनपुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतन्त्रता दिवस (15 अगस्त, 2023) के अवसर पर नगर पालिका परिषद परिवार की ओर से जौनपुर नगर वासियों से पालिका निम्नलिखित अपील करती है–

1– गृहकर, जलकर व जलमूल्य का भुगतान 31 मार्च 2024 से पहले पालिका को करते हुए छूट का लाभ उठाएं।

2– दुकान, होटल, रेस्टोरेन्ट, नार्सिंग होम, हॉस्पिटल पर देय किराया एवं लाइसेन्स शुल्क की अदायगी समय से पालिका में करें।

3– अपने–अपने घरों से निकलने वाले दैनिक कूड़े को समय से निर्धारित स्थल व कूड़ेदान में फेंके इधर–उधर तितर–बितर न करें। झाडू लगने के पश्चात् कूड़ा व कचरा कदापि सडकों व पटरियों पर न फेंके, अपनी दुकानों व प्रतिष्ठानों के सामने कूड़ादान अवश्य रखें।

4– सडक, पटरियों, नालियों व नालों पर किसी प्रकार का स्थायी व अस्थायी अतिक्रमण न करें।

5– पर्यावरण को स्वच्छ बनाने हेतु अधिक से अधिक पौधे लगाए।

6– जन्म–मृत्यु का पंजीकरण 30 दिवस के भीतर नगर पालिका में अवश्य कराएं।

7– अपने घरों के नल की टोटी को खुला न छोडकर पेयजल का अपव्यय न करें। खुली टोटी पाए जाने व जल का अपव्यय करने हेतु पाए जाने पर नियमानुसार सम्बन्धित के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

8– नगर मे लगी स्ट्रीट लाइट व विद्युत उपकरणो को क्षति व नुकसान से बचाएं।

9– प्रतिबन्धित पॉलिथिन, थर्माकोल, दोहरा, चायनीज मझा का उपयोग वर्जित है, इसका उपयोग कदापि न करें, यह गम्भीर अपराध है पकडे जाने पर जुर्माना भरना पडेगा।

10– देय करो यथा गृहकर एवं जलकर का भुगतान समय से करें तथा ऑनलाईन करें।

11– डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन मे नगर पालिका कर्मियों का सहयोग करें।

12– शौचालय का उपयोग करें। खुले मे शौच कदापि न करें, इससे बीमारी फैलती है।

(पवन कुमार)
अधिशासी अधिकारी

समस्त मान्य सभासद
नगर पालिका परिषद,जौनपुर।

(मनोरमा मौर्या)
अध्यक्ष

शिक्षकों ने 18 सूत्री मांग के निराकरण को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर विकास क्षेत्र के उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों ने सोमवार को पुरानी पेंशन की बहाली सहितअपनी मांगों के समर्थन में विधायक रमेश चंद्र मिश्र को अठारह सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में शिक्षक संघ ने पुरानी पेंशन की बहाली, राज्य कर्मचारियों की भांति उपार्जित अवकाश, द्वितीय शनिवार को अवकाश, प्रतिकर अवकाश ,अध्ययन अवकाश ,कैशलेस चिकित्सा सुविधा, प्रत्येक प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक पद पर पदोन्नति व तैनाती ,उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की भांति चयन वेतनमान में 12 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके सभी शिक्षकों की प्रोन्नति वेतनमान आदि अठारह सूत्रीय मांगों का निराकरण शिक्षक हित में होगा। शिक्षकों ने विधायक से कहा कि इस संबंध में अब तक प्रदेश में धरना प्रदर्शन सहित कई बार ज्ञापन सौंपा जा चुका है किंतु प्रदेश सरकार कोई निर्णय नहीं ले रही है। इस बात को लेकर शिक्षक समुदाय में भारी आक्रोश है। ज्ञापन शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह के नेतृत्व में सौंपा गया। इस मौके पर पूर्व माध्यमिक विद्यालय शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष राम सिंह, अरविंद कुमार यादव ,दिवाकर द्विवेदी,आदि उपस्थित रहे।

एस के डी अकादमी के नन्हे मुन्नो ने स्वतंत्रता दिवस को तिरंगे, गुब्बारों व विभिन्न देशभक्त के परिधान में सज धज कर मनाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आज एस के डी अकादमी की सभी शाखाओं के नन्हे मुन्ने बच्चों ने स्वतंत्रता दिवस को बड़े ही धूमधाम से मनाया स छोटे छोटे बच्चे रंग बिरंगी तरह तरह की पोशाक में सज धज कर आये कोई रानी लक्ष्मी बाई की तरह तलवार ढाल लेकर तैयार हुआ तो कोई महात्मा गाँधी, बोस, आजाद, भगतसिंह आदि देश के सपूतो की तरह बन ठन कर आये ।

छोटे छोटे बच्चे तिरंगा लहराते हुए और भारत माता की जय बोलते हुए व सुन्दर सुन्दर पोषकों से सज कर पूरा वातावरण मोहक बना रहे थे ।

केसरिया व हरे रंग के गुब्बारों से खेल कर व गालों पर स्टीकर लगा कर उनकी खुशी देखते ही बनती थी ।

नौनीहालो ने अपनी तोतली आवाज में देशभक्ति के गीत गाकर एवं ठुमक ठुमक कर नृत्य करके सबको देश भक्ति के रंग में सराबोर कर दिया स

संस्था के निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने व प्रधानाचार्यो ने बच्चों को झंडे,गुब्बारे, मिठाई, व चॉकलेट वितरित किये एवं स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनायें दी ।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल ने मनाया अखण्ड भारत दिवस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद द्वारा हरिनाथपट्टी सीहिपुर के श्री हनुमान मन्दिर के प्रांगण में अखण्ड भारत दिवस का कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राकेश श्रीवास्तव विभाग अध्यक्ष व चंद्र प्रकाश तिवारी महामंत्री अहिप ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अजय पाण्डेय जिला अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद ने कहा कि विश्वधरा ही सात दीपो पर है जिसमे पृथ्वी, नदी, सागर, महासागर, पर्वत विद्यमान है।उन्ही में जम्बू दीप का एक खण्ड ही भारत वर्ष है। जिसमे भी नौ खण्ड था जिसका एक खण्ड आर्यावर्त भी था।उसके समाज,संस्कृति और संप्रदायो को खण्डित करने कार्यक्रम शुरू हुआ पहले देव और असुर में, फिर कुरू वंशो का युद्ध फिर इस्लामिक जेहादीयो आतताइयो के आते ही समाज बहुधर्मियो में लोग बटने लगे। भारत वर्ष को 23 बार इस्लामिक आक्रांताओं द्वारा बटा परन्तु देश का अंतिम बटवारा 14 अगस्त 1947 को अर्ध रात्रि में किया गया जो इतिहास का सबसे भीभत्स बटवारा हुआ था। जिसमे लाखो लाख लोगो की हत्याएं हुई फिर भी हमे बताया गया पढ़ाया गया की हम स्वतंत्र हो गए। और 15 अगस्त हम स्वतंत्रता दिवस मनाते है। श्री पाण्डेय ने कहा कि वर्तमान के साथ साथ भूत को भी याद रखना चाहिए कि कैसे आजाद हुए। डॉ प्रवीण भाई तोगड़िया अध्यक्षध संस्थापक अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के नेतृत्व मे पूरे भारत वर्ष के प्रत्येक जिले में अखण्ड भारत दिवस का कार्यक्रम किया जा रहा है। श्री पाण्डेय ने कहा कि प्रत्येक सनातनी हिन्दू एकजुट होकर एक मंत्र धारण करे की बच्चा बूढ़ा सभी राम के काम आए। आबाल वृद्ध जाति का योद्धा दिखाई दे। हर व्यक्ति हमे धर्म पुरोधा दिखाई दे।। जब सर झुके नमन को प्रभु राम के चरण में। सर उठे तो हमे अयोध्या दिखाई दे।। इसी क्रम में कार्यक्रम अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता का आभार ज्ञापित किया। दो लोगो की घोषणा हुई कृष्ण कुमार उपाध्याय जिला मंत्री रा ब द और मदन गोपाल सिंह चौहान सुरक्षा प्रमुख रा बजरंग दल। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रमेश मिश्रा विभाग उपाध्यक्ष, मधुर सिंह, शैलेंद्र बहादुर सिंह, अनिल ,राम रतन, रवि शंकर चौहान, सुनील कुमार, जितेंद्र बहादुर सिंह उपाध्यक्ष रा बजरंग दल, कृष्ण कुमार उपाध्याय, शिवम चौहान, सचिन कुमार श्रीवास्तव अहिप सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

वन ट्रिलियन की इकोनॉमी बनने जा रहा यूपी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के लिए 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के इन्ही प्रयासों पर आधारित एक शोध कार्य 16 अगस्त को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में प्रदर्शित किया जाएगा।

आजादी के 76 वां वर्षगांठ व आजादी अमृत महोत्सव पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ अंकित त्रिपाठी

मां गायत्री मेडिसिन सेंटर अतरौरा चंद चौराहा गोला बाजार, गोरखपुर

आजादी के 76 वां वर्षगांठ व आजादी अमृत महोत्सव पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ वीरेंद्र वर्मा (एम बी बी एस, एम डी)

असिस्टेंट प्रो. राजश्री दसरथ मेडिकल कॉलेज, अयोध्या

आजादी के 76 वां वर्षगांठ व आजादी अमृत महोत्सव पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अजय यादव पूर्व प्रधान

आसिफबाग हलकारक पुरवा अयोध्या- फैजाबाद की तरफ से अयोध्या वासियों को 15 अगस्त की हार्दिक शुभकामनाए मो0 .9451800699

आजादी के 76 वां वर्षगांठ व आजादी अमृत महोत्सव पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ अजय तिवारी

(जनरल फिजिशियन) अवध क्लिनिक जनपद अयोध्या

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के पावन पर्व पर आप सभी देशवासियों व उत्तर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं !

जयहिंद! जय उत्तर प्रदेश! जय समाजवाद !

अशोक कुमार तिवारी

राष्ट्रीय प्रवक्ता समाजवादी पार्टी

आजादी के 76 वां वर्षगांठ व आजादी अमृत महोत्सव पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

मलखान यादव उर्फ शिवा

समाजसेवी अयोध्या- फैजाबाद की तरफ से अयोध्या वासियों को 15 अगस्त की हार्दिक शुभकामनाएं मो0 .9918751059

मलबे में दबकर युवक की मौत

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या के दर्शन नगर पुलिस चौकी क्षेत्र में घर की छत तोड़ रहे युवक की छत की मलबे में दबकर मौत हो गई। मालूम हो कि सोमवार को एअरपोर्ट की जद में आ रहे ग्रामीण अपने अपने मकानों को खुद तोड़ने का कार्य कर रहे हैं।क्योंकि उनके घरो व मकानों का अधिग्रहण एयरपोर्ट के निर्माण हुआ है।जिसको लेकर अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के दर्शन नगर क्षेत्र में स्थित धरम पुर गांव निवासी आलोक अपने घर की छत को तोड़ रहा था।तभी वह छत के मलबे में दबकर मौत हो गई।इस घटना से उसके परिजनों में शोक की लहर दौड़ पड़ी।

आजादी के 76 वां वर्षगांठ व आजादी अमृत महोत्सव पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अक्षत ग्रुप इंफ्रा डेवलपर लिमिटेड कंपनी अयोध्या- फैजाबाद विनय कुमार वर्मा की तरफ से अयोध्या वासियों को 15 अगस्त की हार्दिक शुभकामनाएं मो0--9628090226

लालमती फिजियोथेरेपी सेन्टर

निकट इण्डियन पेट्रोल पम्प, बड़हलगंज रोड, गोला, भीटी, गोरखपुर- 273408

Mr. Krishna (DPT/ Physiotherapist) 9005476959

नोट- हमारे यहाँ लकवा, फालिस, घुटना, कमर, गर्दन दर्द का सफल इलाज अत्याधुनिक मशीनों द्वारा किया जाता है

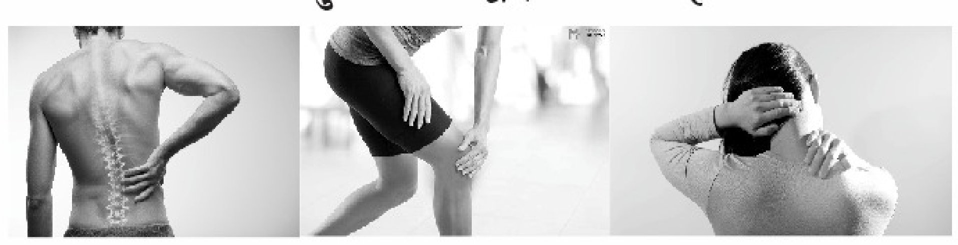

आजादी के 76 वां वर्षगांठ व आजादी अमृत महोत्सव पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

मुकेश कुमार प्रजापति समाजसेवी अयोध्या- फैजाबाद की तरफ से अयोध्या वासियों को 15 अगस्त की हार्दिक शुभकामनाएं मो0.8187970468

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।